Lecture - 90.

Domestic policy and Social Reforms of Lord Gladstone.

- Mamta Rani
Guest assist. Professor.
SNSRKS college. Saharsa
Depart. of History.

B.A part - II

Paper - III rd.

न्यायालयों की स्थापना की।

इंग्लैंड के सम्राट को भारत और अन्य ब्रिटिश उपनिवेशों के Retired जजों को प्रिवी कौंसिल के नए सदस्यों को बनाने का अधिकार दे दिया गया।

(iv) सरकारी सेवा संबंधी अधिनियम :-

1870 ई० के इस अधिनियम द्वारा सरकारी नौकरियों में नियुक्ति सार्वजनिक प्रतियोगिता द्वारा सब के लिए

संभव हो गई परंतु विदेश विभाग में नियुक्ति के संबंध में इस नियम को लागु नही किया गया।

(v) ट्रेड युनियन एक्ट 1871 :-

1871 के इस अधिनियम से मजदूरों की स्थिती सुधारने हेतू लाया गया जिसके अन्तर्गत मजदूरों की हड़ताल को राष्ट्रीय अपराध मानने वाले कानून को समाप्त कर दिया गया।

यह स्कूल भवन बनाने एवं शिक्षण कार्य में क्षमता लाने हेतु निरीक्षकों की नियुक्ति पर ध्यान दिया, जिसका परिणाम यह हुआ कि धीरे-2 प्रारंभिक शिक्षा अनिवार्य हो गयी और यह नियम बना दिया गया कि सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षा ग्रहण करनी है।

(ii) सेना संबंधी सुधार :-

सेना संबंधी सुधार करने का श्रेय

ग्लैडस्टोन के अधीन कार्य करने वाले एडवर्ड कार्डवेल को है। तत्कालीन ब्रिटिश सेना में अनेक विसंगतियाँ थी, फलस्वरूप प्रशा की सेना के सम्मुख अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर दी थी। फलस्वरूप इसने सैनिक सुधार पर ध्यान दिया। इसने सेना में कमीशन बेचने की प्रथा को खत्म किया। इसने प्रत्येक राज्य से 2-2 दलों को बारी-बारी से विदेशों में भेजा जिसके फलस्वरूप उन्हें

09 Sunday

काफी अनुभव प्राप्त होने लगा। पूर्व में सेना पर पृथक-2 अधिकारियों का नियंत्रण होता था जिसे इसने खत्म कर एक युद्ध मंत्री की नियुक्ति की जिससे सेना को संगठित करने में सफल हुआ।

(iii) न्याय संबंधी सुधार :-

ग्लैडस्टोन के समय इंग्लैंड की न्याय व्यवस्था में भी काफी खामियाँ थी जिसे

10 Monday

दूर करने के प्रयास के अन्तर्गत इसने 1873 ई० में Judicature Act पारित किया जिसके अनुसार पुरस्कार विरोधी कचहरियों को समाप्त कर दिया गया फलस्वरूप मुकदमों में लगने वाले अत्यधिक समय एवं खर्च में कमी आई। इस अधिनियम पारित होने के बाद "हाइकोर्ट ऑफ जस्टिस" और "कोर्ट ऑफ अपील" नामक दो शाखाओं वाले

(vi) विवाहित स्त्री जायदाद कानून 1882 :-

1882 ई० से पूर्व विवाहित स्त्रियों की संपत्ति पतियों की संपत्ति मानी जाती थी परंतु इस Act के पारित होने के बाद यह संपत्ति उनकी ही मानी जाने लगी और संपत्ति पर पतियों का अधिकार समाप्त हो गया।

निष्कर्ष :- उपर्युक्त विवेचन से यह कहा जा सकता है कि ग्लेडस्टोन ने अपने समय में लोकतांत्रिक, संसदीय एवं सामाजिक क्षेत्र में अनेक सुधार किया जिसका परिणाम इंग्लैंड की सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में काफी अच्छा हुआ।

05 Wednesday

की गृहनीति से बहुत कुछ मिलती-जुलती थी ; उसने हमेशा जनता की आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण हेतु कार्य करने पर ध्यान दिया । उसने सदैव नैतिकता और धर्म को महत्व दिया । ग्लैडस्टोन के आंतरिक सुधार तथा उसकी गृहनीति को संक्षेप में निम्न रूप से समझा जा सकता है :-

(i) शिक्षा संबंधी सुधार :-

06 Thursday

ग्लैडस्टोन के शासनकाल में इंग्लैंड में सरकारी विद्यालयों की संख्या बहुत कम थी, अधिकतर स्कूल चर्च द्वारा संचालित होता था । उसने 1870 ई० में शिक्षा अधिनियम पारित कर सार्वजनिक संस्थाओं को चर्च से अलग अपने विद्यालय भवन बनाने का नियम बनाया । इस अधिनियम के पारित होने के बाद अध्यापकों को शिक्षित करने,

Monday 03 Week-32 216-150

प्र:- लार्ड ग्लैडस्टोन की गृहनीति एवं सामाजिक सुधारों का वर्णन करें।

Ans:- ग्लैडस्टोन का जन्म 1809 ई० में लीवरपुल के एक सम्भ्रांत परिवार में हुआ। ईटन और ऑक्सफोर्ड में शिक्षा प्राप्त करने के बाद अपनी विलक्षण प्रतिभा के फलस्वरूप संसद में मनोनीत हुआ। 1867 ई० में वह पहली बार प्रधानमंत्री बना और 1874 तक गद्दी पर रहा।

Tuesday 04 Week-32 217-149

ग्लैडस्टोन का यह 6 वर्षीय शासनकाल 19वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ सुधारकाल माना जाता है। वह पुनः 1880 ई० से 1885 तक दूसरी बार, तीसरी बार 1886 में और चौथी बार 1894 ई. में प्रधानमंत्री बना।

ग्लैडस्टोन की गृहनीति रार्बट पील